VIDYASAGAR UNIVERSITY

M.A in Hindi

Curriculum and Credit Framework 2025-26 for PG Programs Based on NEP-2020.

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

प्रस्तावना (Preamble)

पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक जिला मेदनीपुर में समाजसुधारक, चिंतक, शिक्षाविद, लेखक और 19 वीं शताब्दी के नवजागरण के पुरोधा पंडित ईश्वरचंद विद्यासागर के नाम से स्थापित विद्यासागर विश्वविद्यालय के अंतर्गत हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 2011 ई. में हुई। सर्वविविद है कि हिन्दी के विकास में पश्चिम बंगाल का विशेष योगदान रहा है। पश्चिम बंगाल लंबे अरसों तक भारत की राजधानी रहने के कारण यह विविध भाषा-ससंकृतियों का मिलन केंद्र रहा है। इसी कर्म में यहाँ हिन्दी के विकास-विस्तार एवं प्रचार-प्रसार का रास्ता प्रशस्त हुआ। ऐसे ही मेदिनीपुर जिले में हिन्दी के रवींद्र कहे जाने वाले सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एवं कथाकार मधुकर सिंह जैसे विद्वानों नें जन्म लिया है। विभिन्न कारणों से इस अंचल में रह रहे हिन्दी भाषा-भाषियों के उच्च शिक्षा प्राप्ति की सुविधा के लिए 2011 में हिन्दी स्नातकोत्तर की पढ़ाई की व्यवस्था हुई। फिर एम.फिल. एवं पी-एच. डी. तक की पढ़ाई को आवश्यक समझा एवं चालू किया गया। यू.जी.सी एवं विश्वविद्यालय के नियमानुसार हिन्दी अध्ययन-अध्यापन एवं शोधकार्य विधिवत रूप से जारी है और उच्चशिक्षा के भाषा-साहित्य संबंधी गुणवत्ता वाले शिक्षण की प्रतिज्ञाओं को पूरा करता आ रहा है। राष्ट्रीय व सामाजिक बोध सम्पपन आत्मनिर्भर व समर्थ सुनागरिक तैयार करने में यह विभाग अहम भूमिका अदा करता रहा है।

कार्यक्रम के परिणाम (Programme Outcomes)

1. हिंदी भाषा और साहित्य की अवधारणा और विभिन्न सिद्धांतों का विश्लेषण करने के कौशल के साथ छात्रों को तैयार करना।
2. हिंदी भाषा और साहित्य और इससे जुड़े क्षेत्रों में शोध या करियर बनाने के लिए छात्रों को तैयार करना।
3. विद्यार्थियों अभिव्यक्ति के दोनों माध्यमों (मौखिक और लेखन) में प्रभावी संचार को आत्मसात करें।
4. विद्यार्थियों द्वारा पेशेवर गतिविधियों के लिए उपयुक्त ज्ञान और कौशल प्राप्त करना।
5. विद्यार्थियों में अपने अधिकारों और विशेषाधिकारों के दायरे में रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का बोध एवं एक प्रबुद्ध नागरिक बनने के लिए जागरूकता पैदा करना।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (Programme Specific Outcomes)

1. हिंदी भाषा और साहित्य और संबंधित क्षेत्रों में शोध अध्ययन के लिए छात्रों को तैयार करना और प्रेरित करना।
2. हिंदी भाषा और साहित्य के विभिन्न सिद्धांतों का उन्नत ज्ञान प्रदान करना और छात्रों को प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में उच्च डिग्री/अनुसंधान करने के लिए सशक्त बनाना।
3. असाइनमेंट और प्रोजेक्ट कार्यों के माध्यम से विश्लेषणात्मक गुणों या कौशल, सोचने की शक्ति, रचनात्मकता का पोषण करना।
4. प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी (व्यक्तिगत मार्गदर्शन, पुस्तकें) में छात्रों की सहायता करना। उदा. NET / SET, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिंग क्षेत्र / सरकार। भारत के उपक्रम (राजभाषा सहायक या हिंदी अधिकारी / हिंदी अनुवादक), स्कूल सेवा आयोग आदि।
5. छात्रों को मूल सोच/विचार/निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना।
6. अभिव्यक्ति के दोनों माध्यमों (मौखिक और लेखन) में प्रभावी संचार को आत्मसात करना।

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

Department of Hindi
Vidyasagar University
Curriculum and Credit Framework 2025-26 for PG Programs Based on NEP-2020

PG 1ST YEAR

Semester	Subject Code	Course Code	Course title	Credit	Marks
	HIN 101	DSC 1 (Major 14)	कथेत्तर साहित्य	4 (4-0-0)	50
	HIN 102	DSC 2(Major 15)	प्रेमचंद / निराला	4 (4-0-0	50
	COMMON CODE	DSC 3	शोध प्रकाशन एवं प्रकाशन नैतिकता	4 (4-0-0	50
I	HIN 103	DSE 1 (Major Elective 3)	लोक साहित्य	4 (4-0-0	50
	HIN 104	DSE 2 / DSC	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	4 (4-0-0	50
	HIN	IKS	भारतीय ज्ञान परंपरा	2 (2-0-0)	25
	COMMON CODE		विद्यासागर : जीवन एवं संदर्भ		
			TOTAL	22	275
Semester	**Subject Code**	**Course Code**	**Course title**	**Credit**	**Marks**
	HIN 201	DSC 4 (Major 16)	हिन्दी आलोचना	4 (4-0-0)	50
	HIN 202	DSE 3(Major Elective 4)	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल / सिनेमा	4 (4-0-0)	50
	HIN 203	DSE 4(Major Elective 5)	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य / कबीर	4 (4-0-0)	50
II	HIN 204	DSE 5(Major Elective 6)	पत्रकारिता / भारतीय साहित्य	4 (4-0-0)	50
	HIN 205	DSC/ DSE	आधुनिक हिन्दी कविता	4 (4-0-0)	50
			क्षेत्र भ्रमण एवं परियोजना कार्य	2(2-0-0)	25
			TOTAL	22	275
			TOTAL : 1ST YEAR PG	44	550

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

Department of Hindi
Vidyasagar University
Curriculum and Credit Framework 2025-26 for PG Programs Based on NEP-2020

PG 2nd YEAR					
Semester	**SubjectCode**	**Course Code**	**Course title**	**Credit**	**Marks**
III	**HIN 301**	**DSC 5**	कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 302	**DSC 6**	हिन्दी नाटक और रंगमंच	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 303	**DSC 7**	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 304	**DSC 8**	साहित्य सिद्धांत	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 305	**MOOCs**	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	**4 (4-0-0)**	**50**
		HIN	सामाजिक सेवा और सामुदायिक सहभागिता	**2(2-0-0)**	**25**
			TOTAL	**22**	**275**
Semester	**Subject Code**	**Course Code**	**Course title**	**Credit**	**Marks**
IV	**HIN 401**	**DSC 10**	अनुवाद विज्ञान	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 402	**DSC 11**	विविध विमर्श और हिन्दी साहित्य	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 403		लघु शोध प्रबंध	**4 (4-0-0)**	**100**
	HIN 404		सर्जनात्मक लेखन के विवध क्षेत्र	**4 (4-0-0)**	**50**
	HIN 405		बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर) कौशल संवर्द्धित पाठ्यक्रम	**4 (4-0-0)**	**25**
			TOTAL	**22**	**275**
			TOTAL : 2ND YEAR PG	**44**	**550**

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 101
DSC 1 (Major 14)

कथेतर साहित्य

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

(क) निबंध : भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? – भारतेन्दु

(ख) कविता क्या है – रामचंद्र शुक्ल

- विविध गद्य रूप :

इकाई – II

(क) आत्मकथा : मन्नू भण्डारी - एक कहानी यह भी (निर्धारित अंश)

(ख) जीवनी : विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा (निर्धारित अंश)

इकाई- III

(क) यात्रा साहित्य : मेरी तिब्बत-यात्रा : राहुल सांकृत्यायन

(ख) संस्मरण : महादेवी वर्मा : पथ के साथी -

i. सुभद्रा कुमारी चौहान

ii. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इकाई – IV

(क) व्यंग्य : हरिशंकर परसाई –

i. भोलाराम का जीव

ii. अकाल उत्सव

(ख) डायरी : मुक्तिबोध - एक साहित्यिक की डायरी

i. एक लंबी कविता का अन्त

ii. डबरे पर सूरज का बिम्ब

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. कैलाशचंद्र भाटिया, रचना भाटिया - साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ
2. डॉ. रामचंद्र तिवारी - हिंदी का गद्य साहित्य
3. दयानिधि मिश्र (संपादक) -हिंदी का कथेतर गद्य परंपरा और प्रयोग
4. कैलाश चन्द्र भाटिया - हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ
5. अरुण प्रकाश - गद्य की पहचान
6. ओमनिश्चल - समकालीन हिंदी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
7. पंकज चतुर्वेदी - आत्मकथा की संस्कृति
8. मेहता यशोधरा एस. और चौहाण महारुद्रप्रताप सिंह वी. - आधुनिककालीन हिंदी गद्य साहित्य
9. बैजनाथ सिंहल - हिंदी की प्रमुख विधाएँ
10. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' - हिन्दी गद्यकाव्य
11. हरिशंकर दूबे - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गद्य में व्यंग्य
12. मक्खनलाल वर्मा - हिन्दी के रेखाचित्र

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के विभिन्न गद्य-रूपों से परिचित हो सकेंगे ।
- इस पत्र के द्वारा विद्यार्थी अपने रचनात्मक कौशल को समृद्ध करने में सफल होंगे।
- आधुनिक गद्य विधाओं में विशेषज्ञता अर्जित कर सकेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 102
DSC 2(Major 15)
प्रेमचंद अथवा निराला

Credit – 4 **full Marks : 50**

प्रेमचंद

इकाई -1 :

उपन्यास : रंगभूमि, गबन

इकाई-2 :

कहानियाँ : ईदगाह, ठाकुर का कुआँ, हिंसा परमो धर्मः, सद्गति,सवा सेर गेहूँ, नमक का दारोगा, दो बैलों की कथा

इकाई -3 :

निबंध संग्रह : कुछ विचार (साहित्य का उद्देश्य)

इकाई- 4 :

नाटक : कर्बला

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. रामविलास शर्मा : प्रेमचंद और उनका युग
2. शिवकुमार मिश्र : प्रेमचंद की विरासत और गोदान
3. शंभुनाथ : प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन
4. अमृतराय : प्रेमचंद : कलम के सिपाही
5. कमल किशोर गोयनका : प्रेमचंद विश्वकोश
6. गंगा प्रसाद विमल : प्रेमचंद आज के संदर्भ में
7. राजेन्द्र यादव : प्रेमचंद की विरासत

Course outcomes :

- प्रेमचंद के साहित्य के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे।
- 'स्वाधीनता आंदोलन और प्रेमचंद का योगदान' विषय को ठीक से समझ सकेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

- प्रेमचंद के साहित्य के माध्यम से उनकी भाषा-शैली का ज्ञान अर्जित कर सकेंगें।
- प्रेमचंद युगीन भारत को जानने-समझने का एक माध्यम भी होगा। फलस्वरूप वर्तमान भारत को और अधिक समृद्ध बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकेंगें।

अथवा

निराला

इकाई-1 :

राग विराग : निम्नांकित कविताएँ निर्धारित हैं :जूही की कली, जागो फिर एक बार-2, बादल राग-6,राम की शक्ति पूजा,स्नेह निर्झरबह गया, कुकुरमुत्ता, राजे ने रखवाली की,तोड़ती पत्थर,जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, भारति जय-विजय करे

इकाई -2 :

उपन्यास : कुल्ली भाट, बिल्लेसुर बकरिहा

इकाई -3 :

कहानियाँ : देवी, चतुरी चमार,भक्त और भगवान

इकाई-4 :

निबंध : हिंदी कविता, साहित्य की प्रगति, हमारे साहित्य का ध्येय

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. नंदकिशोर नवल : निराला रचनावली
2. रामविलस शर्मा : निराला की साहित्य साधना (भाग 1,2,3)
3. धनंजय वर्मा : निराला : व्यक्तित्व और कृतित्व
4. दूधनाथ सिंह : निराला एक आत्महंता आस्था

Course outcomes

- निराला के साहित्य से परिचित हो सकेंगें।
- नवजागरण में हिन्दी के रवीन्द्रनाथ कहे जाने वाले निराला के साहित्यिक योगदान को समझ सकेंगें।
- निराला युगीन समस्याओं को समझ सकेंगें।
- निराला के साहित्यिक योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगें।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

DSC 3

शोध प्रकाशन एवं प्रकाशन नैतिकता

Credit – 4 **full Marks : 50**

1. अनुसन्धान की परिभाषा और शिक्षा में अनुसन्धान का महत्व
2. शोध के प्रकार और प्रविधियाँ
3. शोध प्रश्न और परिकल्पना
4. स्रोतों के प्रकार, विश्वसनीयता और उद्धरणों की प्रयोगविधियाँ
5. अनुसन्धान उद्धरण शैलियाँ – APA, MLA
6. तर्कों और साक्ष्यों का मूल्यांकन
7. साहित्यिक चोरी : समस्या और समाधान, शोध नैतिकता
8. अधीत सामग्री – एक अध्ययन
9. अनुसन्धान में कमियों की पहचान करना और स्रोतों का विश्लेषण करना पूर्ववर्ती शोध समीक्षा
10. संगणक की शोधकार्य में प्रयोग-प्रक्रिया, ई-बुक, ई-जर्नल आदि।

D R A F T

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

Course outcomes :

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 103

DSE 1(Major Elective 3)

लोक-साहित्य

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

- लोक : प्राचीन और आधुनिक अवधारणा
- लोकवृत्त : परिभाषा और क्षेत्र
- लोकवार्ता एवं लोकवार्ता के सहयोगी शास्त्र – नृविज्ञान, मिथक, पुरातत्व और इतिहास, समाजशास्त्र
- लोकसाहित्य : परिभाषा एवं विशेषताएँ
- लोकसाहित्य और लोकवार्ता

इकाई – II

- लोकसाहित्य का वर्गीकरण
- प्रमुख रूप : लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक-नाट्य
- गौण रूप : लोकोक्तियाँ, मुहावरे, पहेलियाँ
- लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर और अंत:संबंध
- लोक साहित्य और लोकमानस
- लोक साहित्य और लोक संस्कृति का अंतर्संबंध

इकाई – III

- लोकगीत : परिभाषा और लक्षण
- लोकगीतों के विविध रूपों का परिचय
- लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण
- प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय
- लोककथा : परिभाषा और लक्षण

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

- लोककथाओं का वर्गीकरण, कथाभिप्राय, कथानक रूप, मिथक, परीकथाएँ, पशुपक्षी कथाएँ

इकाई – IV

- लोकनाटक : परिभाषा और लक्षण
- हिंदी की जनपदीय बोलियों के प्रमुख लोक नाटकों का संक्षिप्त परिचय

  निर्धारित पथ : लोकनाटक – बिदेसिया – भिखारी ठाकुर

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कृष्णदेव उपाध्याय - लोक-संस्कृति की रूपरेखा
2. डॉ. परवीन निजाम अंसारी - लोक-साहित्य के विविध आयाम
3. रंजना शर्मा - लोक-साहित्य चिंतन के विविध आयाम
4. सं. रामविलास शर्मा - लोक-जागरण और हिंदी साहित्य
5. डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय - लोक-साहित्य का अध्ययन
6. डॉ. श्याम परमार - भारतीय लोक-साहित्य
7. दिनेश्वर प्रसाद - लोक-साहित्य और लोक संस्कृति
8. सुरेश गौतम - लोक साहित्य

DRAFT

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत एम॰ ए॰ के विद्यार्थियों को लोकसाहित्य के इतिहास , संस्कृति , साहित्य और
  अन्य कलाओं से जुड़ने का अवसर देने का प्रयत्न है।
- यह पत्र विद्यार्थियों को लोक को जानने-समझने का अवसर प्रदान करता है।
- मुख्यधारा के समाज के निर्माण की प्रक्रिया में लोक-साहित्य और समाज की क्या भूमिका रही है ? इन बिन्दुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना ही इस पत्र का लक्ष्य है।
- विद्यार्थी इस पत्र के जरिए लोक-साहित्य में विशेष ज्ञान प्राप्त करेंगे।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 104
DSE 2 / DSC

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I **साहित्य दर्शन**

- इतिहास क्या ? साहित्य का इतिहास लेखन – दर्शन, दृष्टि और विचारधारा
- काल विभाजन और नामकरण

इकाई – II **आदिकाल**

- हिंदी साहित्य का आरम्भ
- आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख धाराएँ
- आदिकालीन हिंदी साहित्य का सांस्कृतिक एवं वैचारिक प्रदेय और रचनात्मक प्रवृत्तियाँ

इकाई – III **मध्यकाल (भक्तिकाल)**

- भक्ति आन्दोलन का उदय : सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल – लोकजागरण एवं सांस्कृतिक समन्वय
- संत काव्य परंपरा : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान
- सूफी काव्य परंपरा : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अवदान
- कृष्ण भक्ति काव्य परंपरा : सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय
- राम भक्ति काव्य परंपरा : सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदेय

इकाई – IV **रीतिकाल**

- रीतिकालीन काव्य : विविध धाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ
- रीतिकाल की अन्य धाराएँ : वीर काव्य, नीति काव्य और भक्ति काव्य
- रीतिकालीन कविता के मूल्यांकन का नया परिप्रेक्ष्य

DRAFT
Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन
2. शिवकुमार शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन
3. सुमन राजे – साहित्येतिहास संरचना और स्वरूप
4. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
5. हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका
6. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य का आदिकाल
7. रामकुमार वर्मा – हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
8. धीरेंद्र वर्मा – हिंदी साहित्य
9. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिंदी साहित्य का अतीत-भाग-1
10. नगेंद्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
11. रामविलास शर्मा – लोकजागरण और हिंदी साहित्य
12. गणपतिचंद्र गुप्त – हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
13. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि
14. रामस्वरुप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
15. डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डाला गया है।
- किसी भी विद्यार्थी के लिए इतिहास का जानना जरूरी है।
- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के प्रथम तीन कालों के इतिहास को जानेंगे।
- विद्यार्थी प्रयुक्त भाषा, प्रवृति और युगबोध के स्वयं को समृद्ध करेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

भारतीय ज्ञान परंपरा

Credit – 2 **full Marks : 25**

भारतीय ज्ञान परंपरा

इकाई -I **भारतीय ज्ञान परंपरा का इतिहास**

- भारतीय ज्ञान प्रणाली की उत्पत्ति और विकास के विविध चरण
- भारतीय ज्ञान परंपरा की रूपरेखा, वर्गीकरण और भविष्य की दिशा

इकाई – II **भारतीय ज्ञान परंपरा : ज्योतिष, स्थापत्य, चिकित्सा और साहित्य एवं शिक्षा व्यवस्था**

- भारतीय ज्योतिष विज्ञान
- भारतीय स्थापत्य कला
- भारतीय चिकित्सा व्यवस्था
- भारतीय साहित्य और शिक्षा व्यवस्था

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. डॉ. स्वाति गौर - भारतीय ज्ञान परंपरा : एक विमर्श
2. डॉ. सरोज गुप्ता एवं बालकृष्ण राय - भारतीय ज्ञान परंपरा : विविध आयाम
3. डॉ. दीपक पाटील और डॉ. सतीलाल कन्नोर -प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा
4. वैद्यनाथ - जातक पारिजात
5. नेमिचन्द्र शास्त्री -भारतीय ज्योतिष
6. रवींद्र कुमार दुबे -भारतीय ज्योतिष विज्ञान
7. चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय – बृहत त्रयी
8. डॉ. टिनी नायर - ड़ मैजिक आफ इडियाँ मेडिसिन – (अंग्रेजी)
9. पर्सी बाउन - भारतीय वास्तुकला (दोनों खंड)
10. ई.बी.हैवेल -अ हैंडबुक आफ इंडियन आर्ट

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

Course outcomes

- भारतीय ज्ञान परंपरा के इतिहास से परिचित हो सकेंगें।
- भारत वास्तुशिल्प इतिहास की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।
- भारतीय ज्योतिष विज्ञान की तमाम प्रणालियों से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों को जानना एवं समझना। वर्तमान चिकित्सा विज्ञान में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की उपयोगिता पर चर्चा।
- भारतीय स्थापत्य कला के जरिए इतिहास एवं भौगोलिक स्थितियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था और साहित्य के अंत:संबंधों के बारे में जान पाएंगें।

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

विद्यासागर :जीवन एवं संदर्भ

Credit – 2 **full Marks : 25**

इकाई -I

क) प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

1. जन्म और वंश
2. ए जर्नी फ्रॉम ईश्वर चंद्र रोंदोपाध्याय तू ईश्वर चंद्र विद्यासागर

ख) विद्यासागर और भारतीय शिक्षा

1. भारतीय शिक्षा प्रणाली
2. शिक्षा सुधार और विद्यासागर

ग) स्त्री सुधार और विद्यासागर

1. विधवा पुनर्विवाह की शुरुआत
2. बाल विवाह रोकने के लिए संघर्ष

इकाई -II

घ) दया के सागर : विद्यासागर

1. विद्यासागर की परोपकारिता जैसा कि अन्य लोगों द्वारा वर्णित है

ङ) विद्यासागर : परंपरा और आधुनिकता

1. भारतीय परंपरा और आधुनिकता
2. पाश्चात्य आधुनिकता और विद्यासागर

च) विद्यासागर के चिंतन और मूल्यों की प्रासांगिता

1. विद्यासागर और तत्कालीन बंगाल सोसाइटी
2. भावी पीढ़ियों के लिए सबक

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. सं. सुनीता कुमार मलिक और अंकित तोमर- आधुनिक भारतीय विचार का पुनरीक्षण : विषय और और परिपेक्ष्य
2. विनय घोष – विद्यासागर और बंगाली समाज

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

3. अमलेश त्रिपाठी – विद्यासागर द ट्रेडिशनल मोर्डनाइजर
4. ब्रायन ए हैचर रोशेल डेज विद्यासागर : प्रख्यात भारतीय का जीवन और उसके बाद का जीवन

Course outcomes

- विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से विद्यासागर के जीवन के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे।
- 'नवजागरण और विद्यासागर का योगदान' विषय को ठीक से समझ सकेंगें।
- विद्यासागर और स्त्री-मुक्ति के विषय का ज्ञान अर्जीत कर सकेंगें।
- विद्यासागर : परंपरा और आधुनिकता से अवगत होकर वर्तमान भारत को और अधिक समृद्ध बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकेंगें।

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 201
DSC 4 (Major 16)
हिंदी आलोचना

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई- I

(क) हिंदी आलोचना : स्वरूप एवं विकास

(ख) हिंदी आलोचना की विविध प्रणालियाँ : काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी,मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी,व्यक्तिवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, प्रभाववादी,समाजशास्त्रीय, संरचनावादी, शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक

इकाई- II

(क) भारतेंदुयुगीन समीक्षा, द्विवेदीयुगीन समीक्षा, शुक्लयुगीन आलोचना,शुक्लोत्तरयुगीन समीक्षा

इकाई-III

(क) रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना-दृष्टि

इकाई- IV

(क) रामविलास शर्मा और नामवर सिंह की आलोचना-दृष्टि

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. नंदकिशोर नवल - हिंदी आलोचना का विकास
2. विश्वनाथ त्रिपाठी - हिंदी आलोचना
3. रामचंद्र तिवारी - हिंदी आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार
4. मधुरेश - हिंदी आलोचना का विकास
5. रामविलास शर्मा - रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
6. नामवर सिंह - इतिहास और आलोचना
7. नंदकिशोर नवल - हिंदी आलोचना का विकास
8. भारत यायावर - आलोचना के रचनापुरुष नामवर सिंह
9. निर्मला जैन - हिंदी आलोचना
10. दामोदर मिश्र - हिंदी आलोचना में अनुपस्थित

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

Course outcomes

- हिन्दी आलोचना पत्र के अंतर्गत हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, परंपरा, विकास और उसकी सामान्य प्रवृतियों से विद्यार्थियों को परिचित होने का अवसर दिया गया है।
- आलोचना के अध्ययन से विद्यार्थियों की आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास होगा।
- इसके अंतर्गत भारतेन्दु युग से लेकर उत्तर-आधुनिक काल के सभी विमर्शों से विद्यार्थियों को अवगत कराने का प्रयास है।
- इस पत्र के द्वारा विद्यार्थी रचनाओं की आलोचनात्मक-विश्लेषण की क्षमता अर्जित करेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 202
DSE 3(Major Elective 4)
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) अथवा सिनेमा

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

- आधुनिकता : अवधारणा और प्रवृत्तियाँ
- भारतीय नवजागरण और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण
- आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि

इकाई – II

- आधुनिक हिंदी कविता
- खड़ीबोली काव्य का विकास : प्रारंभिक चरण (भारतेंदु और द्विवेदी युगीन काव्य)
- छायावाद : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद और नई कविता : प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृत्तियाँ
- समकालीन हिंदी कविता की रूपरेखा

इकाई – III

- हिंदी गद्य : उद्भव एवं विकास
- हिंदी गद्य तथा भारतेंदु
- हिंदी गद्य की विविध विधाएँ : संक्षिप्त परिचय
- हिंदी गद्य के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनके सहयोगी लेखकों की भूमिका

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

इकाई – IV

- हिंदी नाटक और रंगमंच : स्वरूप और विकास
- हिंदी आलोचना का आरम्भ और विकास
- हिंदी कथा साहित्य के विकास के विविध चरण
- हिंदी के अन्य गद्य रूपों का विकास : संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, डायरी, गद्यकाव्य आदि
- समकालीन विमर्श

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास
3. नगेंद्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
4. गणपतिचंद्र गुप्त – हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2
5. रामस्वरुप चतुर्वेदी – हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
6. डॉ. लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास
7. बच्चन सिंह – हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
8. डॉ. रामचन्द्र तिवारी – हिंदी का गद्य साहित्य

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को आधुनिक युग की प्रमुख घटनाओं से परिचित करवाने का प्रयत्न है।
- विद्यार्थी आधुनिक युग की सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक , धार्मिक आदि क्षेत्रों में आए बदलावों के बारे में विस्तारपूर्वक जान सकें।
- इस पत्र में आधुनिक काल की प्रमुख घटनाओं तथा साहित्य में उनकी अभिव्यक्ति को प्रमुख रूप में देखने का प्रयास है।
- इसमें साहित्य की भाषा और विधाओं में आए बदलावों और वैशिष्ट्यों का विद्यार्थी समझ सकते हैं।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

अथवा
सिनेमा

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

- सिनेमा का उद्भव और विकास, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारम्भिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिन्दी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा

इकाई – II

- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा की भाषा, निर्देशक, पटकथा, छायांकन, सिनेसंगीत, अभिनय और संपादक, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर

इकाई – II

- साहित्य और सिनेमा का अंत: संबंध , साहित्यिक कृतियों का फिल्मांकन

इकाई – II

- फिल्म समीक्षा:

(क) आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास

(ख) 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर

(ग) 1970 से 1990 : गर्म हवा, बाबी, शोले, आँधी

(घ) 1990 से अद्यतन : तारे जमीन पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुल्हनियाँ ले जाएंगे, मुन्ना भाई एम.बी.एस, पान सिंह तोमर, मेरी कॉम

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. कुलदीप सिन्हा -फिल्म निर्देशन
2. मनमोहन चड्ढ़ा -हिन्दी सिनेमा का इतिहास
3. विनोद भारद्वाज - सिनेमा : कल, आज कल
4. प्रह्लाद अग्रवाल - हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष
5. प्रताप सिंह - सिनेमा का जादुई सफ़र
6. हरीश कुमार - सिनेमा और साहित्य
7. 'वसुधा' पत्रिका - फिल्म विशेषांक
8. राही मासूम रजा - सिनेमा और संस्कृति
9. जगदीश्वर चतुर्वेदी - जनमाध्यम सैद्धांतिकी

Course outcomes

-

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 203
DSE 4(Major Elective 5)
प्राचीन और मध्यकालीन काव्य अथवा कबीर

Credit – 4 **full Marks : 50**

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

इकाई-I

(क) चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो (कयमास वध)

(ख) कबीर : कबीर ग्रंथावली – (सं.) श्यामसुंदर दास (पद – 1, 6, 8, 11, 13, 16, 27, 39, 40, 43)

इकाई-II

(क) जायसी : नागमती वियोग खण्ड

(ख) सूरदास : भ्रमरगीत – सार (सं.) रामचंद्र शुक्ल

(पद- 21, 23, 25, 34, 42, 62, 74, 76, 85)

इकाई-III

(क) तुलसीदास : रामचरित मानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) रामराज्य वर्णन

(दोहा – 20 से 25 एवं 36 से 41), कलि वर्णन (दोहा – 97 से 103)

(ख) मीराँबाई : मीराँबाई की पदावली (सं.) परशुराम चतुर्वेदी

(पद – 1, 2, 14, 18, 19)

इकाई-IV

(क) बिहारी : बिहारी सतसई : बिहारी रत्नाकर, (सं) श्री जगन्नाथ दास रत्नाकर

(दोहा – 1, 5, 7, 9, 10, 11, 15, 19, 20, 21)

(ख) घनानंद : घनानंद कवित्त (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(पद – 8, 14, 15, 16, 18, 19, 23, 29, 63, 69)

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी – कबीर, राजकमल प्रकाशन
2. विजेन्द्र स्नातक (संपा) – कबीर, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय
4. विजयदेव नारायण साही – जायसी

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

5. परमानंद श्रीवास्तव - जायसी का मूल्यांकन
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – त्रिवेणी
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – गोस्वामी तुलसीदास
8. विश्वनाथ त्रिपाठी – लोकवादी तुलसीदास
9. नन्ददुलारे वाजपेयी – महाकवि सूरदास
10. मैनेजर पांडे – सूर संचयिता
11. ब्रजेश्वर वर्मा – सूरदास, जीवन और काव्य का अध्ययन
12. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी – सूर और तुलसी
13. शिवकुमार मिश्र – भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
14. मैनेजर पांडे – भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य
15. नंदकिशोर नवल – सूरदास
16. विश्वनाथ त्रिपाठी – मीरा का काव्य
17. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - बिहारी की वाग्विभूति
18. किशोरी लाल - घनानंद काव्य और आलोचना
19. मनोहर लाल - घनानंद के काव्य में अप्रस्तुत योजना
20. परशुराम चतुर्वेदी - कबीर साहित्य की परख
21. रामदेव शुक्ल – घनानंद

Course outcomes

- प्रथम सत्र के द्वितीय पत्र के अंतर्गत मध्यकालीन हिन्दी कविता की परंपरा और इतिहास से जोड़ने का प्रयास किया गया है।
- विद्यार्थी इस युग के साहित्य में बदलते भाव के साथ भाषा की प्रवृति को पहचान सकें।
- हमारा प्रयत्न यह भी है कि विद्यार्थी उस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें।
- आगे चलकर अगर वे चाहें तो मध्यकाल की रचनाओं या रचनाकारों पर शोधपरक कार्य भी कर सकते हैं।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

अथवा

कबीर

इकाई -I

- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर का जीवन वृत : मिथक और ऐतिहासिकता

इकाई – II

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ-परम्पराएं और उनकी प्रमाणिकता
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई – III

- कबीर ग्रंथवाली : पद

1.माया महाठगनी हम जानी 2. दुलहनीं गाबहु मंगलचार 3. एक अचंभा देखा रे भाई 4. संतों भाई आई ग्यांन की आंधी रे 5. झगरा एक निबेरो राम 6. पंडित बाद बंदते झूठा 7. हम न मरें मरिहै संसारा 8. निरगुण रांम निरगुण रांम जपहुं रे भाई 9. काजी कौन कतेब 10. झूठे तन कौं कहा रबइये

कबीर ग्रंथवाली : सखी

1. राम नाम लौ पटंतरै 2. पीछै लागा जाइ था, लोक बेद के साथि 3. गुरु गोविंद तौ एक है, दूजा यहू आकार 4. कबीर बादल प्रेम का, हम पर बरष्या आइ 5. यह तन जालौ मसि करों, लिखौ राम का नाउँ 6. अंषडियाँ झाई पड़ी, पंथ निहारि निहारि 7. समंदर लागी आगि, नदियाँ जलि कोयला भई 8. पारब्रह्म को तेज का, कैसा है अनमना 9. पाणि ही तैं हिम भया, हिम हवै गया बिलाइ 10. जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं 11. कबीरा देख्या एक अंग, महिमा कही न जाई 12. राम रसाइन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल 13.हेरत हेरत हे सखी, रहया कबीर हिराइ बूँद समानी समद मैं, कत हेरी जाइ 14. इक दिन ऐसा होइगा, सब सूं पड़ें बिदोई राजा राणा छत्र पति, सावधान किन होई 15. कबीर कहा गरबियौ , इस जीवन की आस

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

इकाई – IV

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी – कबीर, राजकमल प्रकाशन
2. विजेन्द्र स्नातक (संपा) – कबीर, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. पुरुषोत्तम अग्रवाल – अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय

Course outcomes

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 204
DSE 5 (Major Elective 6)
हिंदी पत्रकारिता

<u>अथवा</u>

भारतीय साहित्य

Credit – 4 **full Marks : 50**

हिंदी पत्रकारिता

इकाई - I

(क) पत्रकारिता : स्वरूप, महत्व, इतिहास

(ख) हिंदी पत्रकारिता का उदय, विकास एवं प्रवृत्तियाँ

(ग) भारतीय पत्रकारिता का उदय और हिंदी पत्रकारिता का आरंभ,भारतीय नवजारण और हिंदी पत्रकारिता:स्वातंत्र्य-संघर्ष ,स्वतंत्रताकालीन हिंदी पत्रकारिता , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता

इकाई- II

(क)पत्रकारिता का स्वरूप : पीत पत्रकारिता, प्रतिष्ठानी पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई- III

(क)पत्रकारिता के भेद : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया,सोशल मीडिया,लघु पत्रिकाएँ

इकाई - IV:

(क)समाचार के मूल तत्व, समाचार के प्रमुख स्रोत, संपादन कला,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. वेदप्रताप वैदिक – हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम
2. कृष्णबिहारी मिश्र – हिंदी पत्रकारिता
3. एस. के. दुबे – पत्रकारिता के नये आयाम

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

4. बंशीधर कुटीर – भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी पत्रकारिता
5. रचना भोला 'यमिनी' – हिंदी पत्रकारिता उद्भव और विकास
6. अर्जुन तिवारी – हिंदी पत्रकारिता का वृहत इतिहास
7. धीरेन्द्रनाथ सिंह – हिंदी पत्रकारिता : भारतेन्दु-पूर्व से छायावादोत्तर काल तक
8. पृथ्वीनाथ पाण्डेय – पत्रकारिता प्रवेश और प्रवृत्तियाँ
9. संतोष भारतीय – पत्रकारिता नए दौर, नए प्रतिमान
10. विनोद गोदरे – हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ
11. डॉ. हरिमोहन – समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत पत्रकारिता के इतिहास और उसके स्वरूप से विद्यार्थी परिचय हो सकेंगे।
- इस पत्र द्वारा विद्यार्थी को पत्रकारिता के विविध रूपों, सम्पादन कला के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी पत्रकारिता के बदलते स्वरूप का अवलोकन, विश्लेषण और मूल्यांकन कर अपनी क्षमता का विकास भी कर सकेंगे।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी मीडिया संबंधी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

अथवा

भारतीय साहित्य

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई– I

(क) भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य का इतिहास, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता, भारतीयता का समाजशास्त्र

इकाई- II

हिन्दीतर भारतीय साहित्य का अध्ययन

(निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अध्ययन)

(क) बंगला साहित्य का उद्भव और विकास

(ख) उड़िया साहित्य का उद्भव और विकास

(ग) संथाली साहित्य का उद्भव और विकास

(घ) उर्दू साहित्य का उद्भव और विकास

इकाई-III

साहित्य कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

(क) कविता संग्रह – वर्षा की सुबह (उड़िया-सीताकान्त महापात्र) (दस कविताएं)

(ख) नाटक – घासीराम कोतवाल (मराठी - विजय के तेन्दुलकर)

इकाई – IV

(क) कहानी – काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंगला)

(ख) टोबा टेक सिंह – सहादत हसन मंटो (उर्दू)

(ग) उपन्यास – गणदेवता (बंगला – ताराशंकर बंद्योपाध्याय)

(घ) संस्कार – यू.आर. अनंतमूर्ति

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. इंद्रनाथ चौधरी - तुलनात्मक साहित्य की भूमिका
2. हनुमान प्रसाद शुक्ल – तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य
3. इंद्रनाथ चौधरी - तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य
4. संपादक : भ. ह. राजूकर एवं राजकमल बोरा - तुलनात्मक अध्ययन भारतीय भाषाएँ और साहित्य
5. राजकमल बोरा - तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप एवं समस्याएँ
6. संपादक : डॉ. मूलचंद गौतम - भारतीय साहित्य
7. जगदीश जादव - भारतीय साहित्य अवधारणा, समन्वय एवं सादृश्य
8. इंद्रनाथ चौधरी – हिंदी तथा बांग्ला काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन
9. रामछबीला त्रिपाठी - भारतीय साहित्य
10. सियाराम तिवारी (सं.) - भारतीय साहित्य की पहचान
11. प्रदीप श्रीधर - भारतीय साहित्य अध्ययन की विविध दिशाएं
12. प्रभाकर माचवे (अनुवाद) - आज का भारतीय साहित्य
13. डॉ.नगेन्द्र - भारतीय साहित्य समेकित इतिहास
14. रामविलास शर्मा - भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं
15. राजेन्द्र मिश्र - भारतीय साहित्य की अवधारणा

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी भारतीय साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के अलावा भारतीय भाषाओं के साहित्य के अध्ययन से अखिल भारतीय समझ विकसित कर सकेंगे।
- इसके अंतर्गत बांग्ला, ओड़िया, संथाली, उर्दू आदि के साहित्य के विषय में सामान्य ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी जातीय एकता का अनुभव कर सकेंगे।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 205

DSC/ DSE

आधुनिक हिन्दी कविता

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई-I

(क) मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)

(ख) जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, लज्जा)

(ग) सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, नौका विहार

इकाई-II

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : सरोज स्मृति, बादल-राग – 1, 2

(ख) महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' : उर्वशी (केवल तीसरा सर्ग)

इकाई-III

(क) अज्ञेय: आज के लोकप्रिय कवि अज्ञेय, सं. विद्यानिवास मिश्र

कविता : असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, कितना नावों में कितनी बार्

(क) मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ, सं. अशोक वाजपेयी कविता : अंधेरे में

(ख) शमशेर बहादुर सिंह : प्रतिनिधि कविताएँ, सं. नामवर सिंह

कविता : काल तुझसे होड़ है मेरी, चुका भी हूँ मैं नहीं

इकाई-IV

(क) नागार्जुन:प्रतिनिधि कविताएँ, सं. नामवर सिंह

कविता : प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद , शासन की बंदूक

(ख) रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरुद्ध

कविता : स्वाधीन व्यक्ति, मेरा प्रतिनिधि, अधिनायक, खड़ी स्त्री, एक अधेड़ भारतीय आत्मा

(क) धूमिल:

कविता : संसद से सड़क तक, मोचीराम ,अकाल-दर्शन, रोटी और संसद

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी - आधुनिक हिंदी कविता
2. नंद किशोर आचार्य - अज्ञेय की काव्य तितिक्षा
3. केदार शर्मा - अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन
4. मुक्तिबोध : कामायनी - एक पुनर्विचार
5. नगेन्द्र : कामायनी - पुनर्मूल्यांकन
6. रामविलास शर्मा - निराला की साहित्य साधना, भाग 1 और भाग 2
7. भोलाभाई पटेल - अज्ञेय : एक अध्ययन
8. अजय तिवारी - नागार्जुन का काव्य
9. अशोक चक्रधर - मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया
10. हुकुमचंद राजपाल - समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
11. विद्या सिन्हा - नई कविता : निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध

DRAFT

Course outcomes

- पत्र का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को आधुनिक कविता के स्वरूप , काव्य- सौन्दर्य, काव्य-दृष्टि आदि से जोड़ा जाए और उसे उनके अध्ययन का आधार बनाया जाए।
- आधुनिक हिन्दी कविता का पूरा काल कई आंदोलनों में बंटा है , उनपर विद्यार्थियों का नजरिया स्पष्ट हो , उसका ध्यान रखा गया है।
- भारतेन्दु युग से लेकर स्वच्छंदतावाद के प्रमुख कवियों की कुछ कविताओं को इस पत्र में शामिल किया गया है ताकि आगे चलकर विद्यार्थी इन कवियों पर विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें।
- आधुनिक कविता और आधुनिक चेतना के अंत:संबंध को विद्यार्थी समझ सकें।

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

क्षेत्र भ्रमण और व्यावहारिक गतिविधियाँ

Field Visit

Credit – 2 **full Marks : 25**

- सांस्कृतिक संस्थाओं का अवलोकन करना और सांस्कृतिक विरासत की खोज करना
- ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन एवं इतिहास का ज्ञान
- संग्रहालय अवलोकन एवं सांस्कृतिक ऐतिहासिक विरासत एवं ज्ञान-शिक्षा
- पारिस्थितिकी तंत्र-केंद्रित प्राकृतिक आदततों का अवलोकन, संरक्षित क्षेत्र और पर्यावरण संगठन में पर्यावरण के विषय में ज्ञान प्राप्त करने और पर्यावरण को संरक्षित करने के प्रयास
- स्थानीय भाषा और संस्कृति का अवलोकन और रिपोर्ट लेखन
- साहित्यिक महत्व की संस्था / क्षेत्र का सर्वेक्षण एवं परियोजना लेखायार्थ
- साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थानों का अवलोकन करना और विरासत की खोज करना
- ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन एवं इतिहास का ज्ञान प्राप्त करना
- संग्रहालय अवलोकन एवं सांस्कृतिक ऐतिहासिक विरासत एवं ज्ञान शिक्षा
- पारिस्थितिकी तंत्र केंद्रित प्राकृतिक स्थलों ल अवलोकन
- पर्यावरण संबंधी ज्ञान प्राप्त करना और उसकी सुरक्षा के उपाय
- स्थानीय भाषा और संस्कृति का पर्यवेक्षण और रिपोर्ट लेखन

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 301

DSC 5

कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

- गोदान – प्रेमचंद
- मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु
- आपका बंटी – मन्नू भंडारी

इकाई – II

- कफ़न – प्रेमचंद
- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
- अपना अपना भाग्य – जैनेन्द्र

इकाई – III

- गैंग्रीन – अज्ञेय
- कोसी का घटवार – शेखर जोशी
- अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी
- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती

इकाई – IV

- राजा निरबंसिया – कमलेश्वर
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- पिता – ज्ञानरंजन
- सलाम – ओमप्रकाश वाल्मीकि

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. प्रेमचंद और उनका युग – राम विलास शर्मा
2. प्रेमचंद – एक साहित्यिक विवेचन – नन्द दुलारे वाजपेयी
3. गोदान : एक नव्य दृष्टि – शैले जैदी
4. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. नरेन्द्र मोहन
5. मैला आँचल की रचना प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
6. मैला आँचल का महत्व : मधुरेश
7. गोदान का महत्व : मधुरेश
8. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन : शंभुनाथ
9. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
10. हिन्दी उपन्यास : रामचन्द्र तिवारी
11. प्रेमचंद : विरासत का सवाल – शिव कुमार मिश्र
12. अठारह उपन्यास : राजेन्द्र यादव
13. मैला आँचल : पुनर्पाठ/पुनर्मूल्यांकन : सं. परमानन्द श्रीवास्तव
14. परिषद पत्रिका : रेणु विशेषांक (जुलाई-दिसम्बर-2009)
15. शेखर एक जीवनी विविध आयाम : सं. डॉ. रामकमल राय
16. नामवर सिंह – कहानी : नयी कहानी
17. सुरेन्द्र चौधरी – हिंदी कहानी : पाठ और प्रक्रिया
18. देवीशंकर अवस्थी (संपा) – नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
19. मधुरेश – हिंदी कहानी अस्मिता की तलाश
20. राजेंद्र यादव – कहानी : अनुभव और अभिव्यक्ति
21. कमलेश्वर – नयी कहानी भूमिका
22. परमानंद श्रीवास्तव – कहानी की रचना प्रक्रिया
23. मधुरेश – हिंदी कहानी का विकास
24. विजयमोहन सिंह – आज की कहानी

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

25. इन्द्रनाथ मदान, हिंदी कहानी : पहचान और परख
26. सत्यकाम – नई कहानी एये सवाल
27. गोपाल राय, हिंदी कहानी का इतिहास
28. विश्वनाथ त्रिपाठी, कुछ कहानियाँ : कुछ विचार
29. देवेंद्र शर्मा – समकालीन कहानी का समाजशास्त्र
30. रामदरश मिश्र – हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान
31. डॉ. धनंजय – समकालीन कहानी : दिशा और दृष्टि
32. पुष्पपाल सिंह – समकालीन कहानी : रचना-मुद्रा

Course outcomes

- पत्र के अंतर्गत हिन्दी साहित्य के लोकप्रिय उपन्यासों को पाठ्यक्रम में रखा गया है। हमारा प्रयत्न है की हिन्दी उपन्यास के अध्ययन के जरिये विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें।
- वे हिन्दी उपन्यास के क्रमिक विकास की प्रवृतियाँ से परिचित हो सकें।
- इस पत्र में प्रेमचंद से लेकर काशीनाथ सिंह के उपन्यासों को रखा गया है यानी लगभग सौ वर्षों के हिन्दी उपन्यासों की परंपरा का अध्ययन है यह पत्र।
- पत्र के अंतर्गत हिन्दी कहानी परंपरा की प्रतिनिधि कहानियों को शामिल किया गया है।
- इस पत्र के जरिए विद्यार्थी लगभग सौ वर्ष की हिन्दी कहानी परंपरा से परिचित होंगे।
- हमारा प्रयत्न यह भी है कि विद्यार्थी हिन्दी कहानी में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें।
- विद्यार्थी उच्च-शिक्षा , शोधपरक कार्यों और रोजगार से जुड़ सके।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 302

DSC 6

हिंदी नाटक और रंगमंच

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

(क) प्रमुख पारंपरिक नाट्य रूप : रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी इत्यादि।

(ख) हिन्दी रंगमंच : व्यावसायिक (पारसी, थियेटर, अव्यावसायिक, पृथ्वी थियेटर, इप्टा) पेशेवर, शौकिया आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक।

इकाई – II

(क) अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ख) ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई – III

(ख)आधे-अधूरे : मोहन राकेश

(ग)औरत : सफदर हाशमी

इकाई IV

(क) एक और द्रोणाचार्य : शंकर शेष

(ख) हानूश : भीष्म साहनी

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. राधावल्लभ शास्त्री - नाट्य शास्त्र
2. नेमिचंद जैन - रंगदर्शन
3. लक्ष्मीनारायण लाल - रंगमंच और नाटक की भूमिका
4. हजारीप्रसाद द्विवेदी - नाट्य शास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक
5. विश्वनाथ शर्मा - भारत की हिन्दी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्य शालाएँ
6. कृष्णानंद तिवारी - नाटककार मोहन राकेश
7. नरेन्द्र मोहन - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

D R A F T

8. गिरीश रस्तोगी - बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच

9. राधावल्लभ शास्त्री - नाट्य शास्त्र

10.रंगदर्शन : नेमिचंद जैन

11.लक्ष्मीनारायण लाल - रंगमंच और नाटक की भूमिका -

12.कृष्णानंद तिवारी : नाटककार मोहन राकेश

13.नरेन्द्र मोहन : समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच

14.गिरीश रस्तोगी : बीसवीं शताब्दी में हिंदी नाटक और रंगमंच

15.गोविंद चातक : नाटक की साहित्यिक संरचना

16.जयदेव तनेजा : आज के हिंदी रंग नाटक

17.नेमिचंद जैन - आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच

18.दशरथ ओझा - हिंदी नाटक उद्भव और विकास

Course outcomes

- पत्र 302 के जरिए विद्यार्थियों का नाटक संबंधी ज्ञान में दृष्टि होती है।
- हमारा प्रयत्न यह भी है कि विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुरूप नाटक-विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करें।
- इससे उनके ज्ञान और रोजगार दोनों का मार्ग प्रशस्त होगा।
- इसके अंतर्गत हिन्दी नाटक की पूरी परंपरा के आलोचनात्मक विश्लेषण का अवसर दिया गया है।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 303
DSC 7
भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I

- भाषा विज्ञान – परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा की उत्पत्ति
- भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भाषा विज्ञान के अध्ययन की विविध पद्धतियाँ
- ध्वनि विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण और विशेषताएँ
- स्वनिम विज्ञान एवं स्वनिम प्रक्रिया, ध्वनि परिवर्तन

इकाई – II

- रूप विज्ञान (पद विज्ञान) शब्द एवं रूप
- वाक्य विज्ञान, वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन
- अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई – III

- प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिंदी की तुलनात्मक विशेषताएँ
- हिंदी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- अवधी, ब्रज, खड़ीबोली, भोजपुरी, कुमाउँनी, मारवाड़ी आदि बोलियों की संक्षिप्त विशेषताएँ

इकाई – IV

- राज्य भाषा के रूप में अवधी, ब्रज, खड़ीबोली का विकास
- हिंदी भाषा का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास क्रम देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं व्यवहारिकता

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. लेनर्ड ब्लूमफील्ड - भाषा (अनूदित)
2. उदयनारायण तिवारी - भाषा-शास्त्र की रूपरेखा
3. उदयनारायण तिवारी - हिंदी भाषा का उद्गम और विकास
4. भोलानाथ तिवारी - भाषा विज्ञान
5. देवेन्द्रनाथ शर्मा - भाषा विज्ञान की भूमिका
6. हरदेव बाहरी - हिंदी भाषा : उद्भव और विकास
7. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव - अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष पर अध्ययन को रखा गया है।
- भाषा विज्ञान की पढ़ाई एक स्वतंत्र विषय के रूप में तमाम विश्वविद्यालयों में होती है।
- भाषा के व्याकरणिक पक्ष पर विद्यार्थियों की समझ विकसित हो , इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।
- हमारा प्रयत्न यह भी है की विद्यार्थी भाषा विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों के साथ हिन्दी भाषा के विकास के अध्ययन में क्षमता अर्जित कर सकें। इसमें विश्व के भाषा-परिवारों के ध्वनित और संरचनात्मक बिन्दुओं से भी विद्यार्थी अवगत होंगे।

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 304
DSC 8
साहित्य सिद्धांत

Credit – 4 **full Marks : 50**

भारतीय काव्य शास्त्र

इकाई – I

- काव्य का स्वरूप : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के भेद

इकाई – II

- भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख संप्रदाय – वक्रोक्ति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, औचित्य संप्रदाय

इकाई – III

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो का काव्यचिंतन, अरस्तू का साहित्य चिंतन,
- लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा
- स्वच्छंदतावादी काव्य चिंतन (वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज)
- मैथ्यू अर्नाल्ड : कला और नैतिकता
- क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
- टी.एस इलियट का साहित्य चिंतन, आई.ए.रिचर्ड्स का साहित्य चिंतन

इकाई – IV

- नई समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत
- अभिजात्य एवं स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवादी

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. रामचन्द्र शुक्ल - रस मीमांसा
2. नगेन्द्र - रस सिद्धान्त
3. नगेन्द्र - भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
4. भगीरथ मिश्र - भारतीय काव्य शास्त्र
5. सत्यदेव चौधरी - भारतीय काव्य शास्त्र
6. बलदेव उपाध्याय - भारतीय काव्य शास्त्र
7. देवेन्द्रनाथ शर्मा - पाश्चात्य काव्य शास्त्र
8. निर्मला जैन एवं कुसुम बांठिया- पाश्चात्य साहित्य चिंतन
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास - सत्यदेव चौधरी एवं शांतिस्वरूप गुप्त

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत साहित्य के विविध सिद्धांतों पर विस्तारपूर्वक चर्चा को केंद्र में रखा गया है।
- इस पत्र के जरिए विद्यार्थियों की काव्यशास्त्रीय कौशल को बढ़ाया जाएगा।
- इसमें संस्कृत-साहित्य सिद्धांत के साथ पश्चिमी साहित्य सिद्धांत से परिचय का अवसर दिया गया है।
- विद्यार्थी काव्यशास्त्र की मूल स्थापनाओं का रसास्वादन कर अपने कौशल को समृद्ध करें।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

MOOC पाठ्यक्रम:

हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

Credit – 4 **full Marks : 50**

D R A F T

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

Course outcomes :

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

सामाजिक सेवा और सामुदायिक सहभागिता

Credit – 2 **full Marks : 25**

1. सामाजिक योगदान

क) सामाजिक जागरूकता का निर्माण

ख) सामाजिक एवं लोकतान्त्रिक अधिकारों के बारे में

ग) सामाजिक न्याय के बारे में सीखना

घ) समाज में अन्याय के क्षेत्रों की पहचान एवं उसपर लेखन

2. साहित्यिक उत्सव का आयोजन

क) साहित्यिक कार्यशालाओं का आयोजन

ख) पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने का प्रयास

3. अन्याय के विरूद्ध स्थानीय लोगों की आवाज को मजबूत करने के लिए उपाय स्थापित करना

क) प्रशासन का ध्यान आकर्षित करके सामाजिक अन्याय के लिए उपाय स्थापित करना

ख) मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

Course outcomes :

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 401
DSC 10
अनुवाद विज्ञान

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई - I

(क) अनुवाद:परिभाषा और महत्व।

(ख) अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, लिप्यंतरण,आशु अनुवाद, मशीनी अनुवाद।

इकाई -II

(क) अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि:अनुवाद के विभिन्न चरण, स्त्रोतभाषा और लक्ष्य भाषा, अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन।

इकाई - III

(क) अनुवाद के क्षेत्र और समस्याएँ : साहित्यिक अनुवाद ,कार्यालयी अनुवाद

(ख) अनुवाद के उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, थिसारस, कंप्यूटर।

इकाई -IV

(क) अनुवाद व्यावहारिक: किसी अंग्रेजी सामग्री का हिंदी अनुवाद एवं किसी हिंदी सामग्री का अंग्रेजी अनुवाद।

संदर्भ ग्रंथ-सूची

1. जयंती प्रसाद नौटियाल – अनुवाद : सिद्धान्त और व्यवहार
2. कृष्णकुमार गोस्वामी – अनुवाद विज्ञान की भूमिका
3. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी – अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ
4. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर – अनुवाद कला
5. कैलाशचंद्र भाटिया – अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग
6. पूरनचंद टंडन - कम्प्यूटर अनुवाद

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

7. भोलानाथतिवारी – अनुवाद विज्ञान
8. नगेन्द्र – संपा. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार
9. प्रो. जी. गोपीनाथन – अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग
10.रीतारानी पालीवाल – अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य
11.भोलानाथ तिवारी एवं राजमल बोरा – अनुवाद क्या है

Course outcomes

- इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थी अनुवाद के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष का अध्ययन करेंगे।
- अनुवाद विज्ञान कि बढ़ती उपयोगिता से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी अपनी अनुवाद करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- इस पत्र के अध्यन से विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में अनुवादक/हिंदी अधिकारी जैसे पदों हेतु स्वंय को तैयार कर सकेंगे ।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 402
DSC 10
विविध विमर्श और हिंदी साहित्य

Credit – 4 **full Marks : 50**

- विमर्शों की सैद्धांतिकी : विमर्श : संकल्पना एवं स्वरूप (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई -I

(क) स्त्री-विमर्श : अवधारणा, इतिहास एवं स्वरूप, समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्रीमूलक विमर्श साहित्य लेखन,स्त्री-आन्दोलन

इकाई –II

(क) दलित विमर्श : दलित साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, वैचारिकता, दलित साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता, दलित साहित्य की मान्यताएँ, दलित साहित्य सौंदर्यशास्त्र, समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्शमूलक साहित्यलेखन

इकाई- III

(क) आदिवासी विमर्श : अवधारणा, इतिहास एवं स्वरूप, हिंदी साहित्य मेंआदिवासी विमर्शमूलक साहित्य लेखन

इकाई - IV

(क) पर्यावरण विमर्श : अवधारणा, परंपरा, चुनौतियाँ, उपयोगिता एवं संरक्षण,भारतीय साहित्य में पर्यावरण संबंधी विचार : वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल तक

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. डॉ. अर्जुन चव्हाण - विमर्श के विभिन्न आयाम
2. प्रो. प्रदीप श्रीधर - हिंदी के समकालीन विमर्श
3. डॉ. नीता श्री दौलतकर - 21वीं सदी के साहित्यिक विमर्श
4. राजेंद्र यादव - अतीत होती सदी और स्त्री का भविष्य
5. राजेंद्र यादव - आदमी की निगाह में औरत
6. राजकिशोर (संपादक) - स्त्री के लिए जगह

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

7. दीप्ति प्रिया महरोत्रा - भारतीय महिला आन्दोलन : कल, आज और कल
8. रमणिका गुप्ता - स्त्रीमुक्ति : संघर्ष और इतिहास
9. दयानंद सालुंके (संपादक) - समकालीन हिंदी साहित्य में नारी संवेदना
10. डॉ. रश्मि चतुर्वेदी - हिंदी साहित्य में दलित चेतना : अवधारणा और स्वरूप
11. दया पवार : दलित चिंतन
12. पुनीता जैन - हिंदी दलित आत्मकथाएँ एक मूल्यांकन
13. नामदेव और नीलम - दलित साहित्य चिंतन (इतिहास और बोध दृष्टि)
14. ओम प्रकाश वाल्मीकि - दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
15. डॉ. मोहन चव्हाण(संपादक) - आदिवासी साहित्य विमर्श
16. डॉ. रमणिका गुप्ता - आदिवासी अस्मिता की पड़ताल करते साक्षात्कार
17. डॉ. रमणिका गुप्ता - आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी
18. गंगा प्रसाद मीणा - आदिवासी साहित्य विमर्श चुनौतियाँ और सभावनाएँ
19. सिमोन द बुआ - स्त्री उपेक्षिता
20. दलित साहित्य विशेषांक : हंस पत्रिका
21. इसयाक अली - हिंदी में आदिवासी साहित्य
22. हरिश्चन्द्र व्यास - पर्यावरण शिक्षण
23. दामोदर शर्मा - आधुनिक जीवन और पर्यावरण
24. गोविन्द चातक - प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण

Course outcomes :

- इस पत्र में विविध विमर्शों के आलोक में छात्र भारतीय एवं पाश्चात्य सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
- इस पत्र के अंतर्गत् विद्यार्थी स्त्री विमर्श, दलित विमर्श एवं आदिवासी विमर्श जैसे अस्मितामूलक वैचारिकता से जुड़ सकेंगें।
- पर्यावरण विमर्श के जरिए अपने परिवेशगत चेतना से जुड़ पाएँगे।
- विमर्शों में व्याप्त समस्याओं से अवगत होकर उनके निदान के लिए सचेष्ट हो सकेंगे।
- विमर्शीय चिंतन विद्यार्थियों को सामाजिक-राष्ट्रीय दायित्व निर्वहन में सक्षम बना सकेंगे।

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 403

लघु शोध प्रबंध

Credit – 8 **full Marks : 100**

- **लघु शोध प्रबंध लेखन**

परियोजना कार्य के अंतर्गत हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं (आधुनिक कविता, कहानी नाटक, उपन्यास, निबंध, आलोचना आदि) पुस्तक विशेष की समीक्षा तथा रचनाकार विशेष (आधुनिक), प्रवृत्ति विशेष (आधुनिक), युगविशेष (आधुनिक), भाषा एवं साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, भाषा विज्ञान आदि पर आधारित लगभग 5000 (पाँच हजार) शब्दों में एक लघु शोध-प्रबंध लेखन हेतु शोधानुशासन का पालन होगा।

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

Course outcomes :

D R A F T

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 404

सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Credit – 4 **full Marks : 50**

इकाई – I **सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय**

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और महत्व
- सृजनात्मक लेखन के प्रमुख रूप : कविता, कथा, कथेतर, नाटक और अन्य
- सृजनात्मक लेखन की प्रेरणा, तैयारी और चुनौतियाँ

इकाई – II **सृजनात्मक लेखन के तत्त्व**

- भाषा एवं विचार के रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- रचना प्रक्रिया : लेखन की अनिवार्यता की अनुभूति, परिस्थितियों की अनुकूलता, विषय, शैली और रूप का चयन, शोध और लेखन
- रचना का विश्लेषण : साहित्यिक उपकरण और ध्वन्यात्मक भाषा, शैली के तत्त्व, भाषा की संरचना, परिप्रेक्ष्य

इकाई – III **सृजनात्मक लेखन की विविध विधाएँ**

- कथा : कहानी, उपन्यासिका और उपन्यास
- कथेतर : निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य, जीवनी, डायरी, यात्रा-वृत्तांत
- कविता : छंद, लय, तुक, मुक्तछंद,प्रतीक, मुहावरे आदि
- नाटक : मौलिक और रूपांतरण
- बाल साहित्य

इकाई – IV **सृजनात्मक लेखन के नए रूप**

- पटकथा लेखन (सिनेमा, रेडियो, टेलीविज़न, वेब आदि)
- वेब लेखन, ब्लॉग्गिंग और कॉपी लेखन
- समीक्षा लेखन : पुस्तक, सिनेमा और नाटक समीक्षा
- सोशल मीडिया के लिए लेखन
- विज्ञापन

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

Course outcomes :

DRAFT

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608

HIN 405

बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर)

कौशल संवर्द्धित पाठ्यक्रम

Credit – 2 **full Marks : 25**

1. समाचार एकत्र करना, समाचार रिपोर्टिंग, समाचार पढ़ना और समाचार प्रस्तुति
2. सस्वर पाठ (आवृत्ति)
3. नौकरी के साक्षात्कार में कौशल वृद्धि की तैयारी
4. हिन्दी टंकण, हिन्दी आशुलिपी अनुवाद, प्रौद्योगिकी, वाक से पाठ, पाठ से वाक
5. OCR (प्रकाशित वर्ण अभिज्ञान, प्रकाशिकी हस्तलेखन अभियान, अनुवादिनी, भाषिणी, कंठस्थ 3.0, LILA , प्रवाह, ई-महाशब्दकोश, शब्दसिंधु कोश।

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

D R A F T

Course outcomes :

Downloaded from Vidyasagar University by 14.139.211.194 on 04 Feb 2026 07:10:28 AM; Copyright (c) : Vidyasagar University
http://download.vidyasagar.ac.in/OpenLink.aspx?LINKID=608